Sahiwal

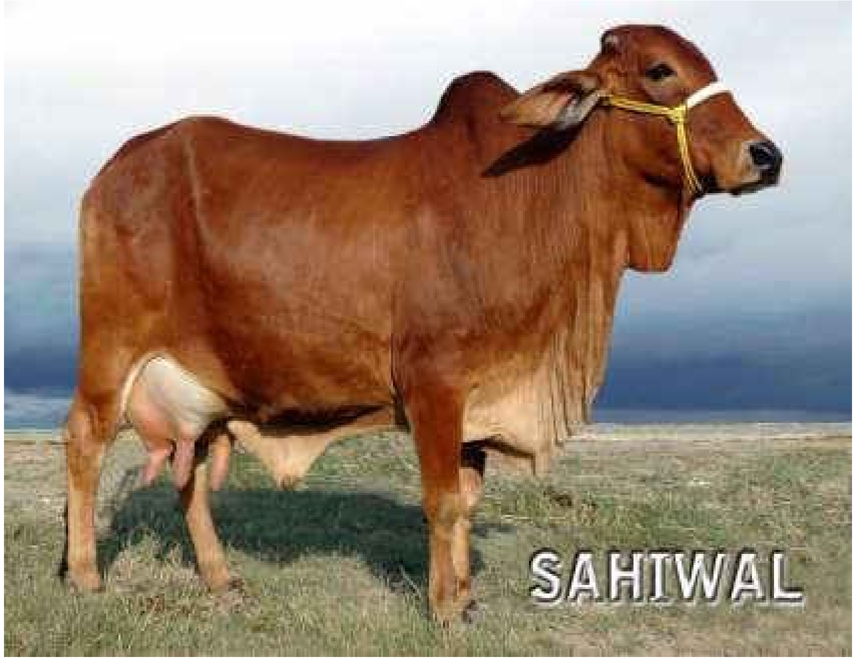

भारतीय सर्वश्रेष्ठ दुधारू गौ नस्ल साहीवाल

- **समानार्थक शब्द**–लोला (ढीली त्वचा), लाम्बी बार, मॉटगोमेरी, मुटानी, तेली।
- **उत्पत्ति** – अविभाजित भारत का मोंटगोमरी क्षेत्र। सर्वश्रेष्ठ स्वदेशी डेयरी नस्ल। भारत में पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेष में पाई जाती है।
- **विशेषताएं /विशिष्ट लक्षण** –
- **शरीर**– लम्बा, गहरा एवं मांसल, छोटे पैर, सीधी पीठ और तुलनात्मक रूप से सुस्त और भारी बनावट।
- **शरीर का रंग** – गहरा लाल या हल्का पीला रंग, लाल रंग, कभी–कभी गर्दन पर सफेद धब्बे । सांड में सिर, पैर और पूंछ जैसे बाहरी हिस्सों की ओर काला रंग होता है।
- **माथा** – सांड में बहुत बडा और गाय में मध्यम आकार का, लेकिन चौडा।
- **कान** – मध्यम आकार के किनारों पर काले बाल पाये जाते हैं ऑखे उभरी हुई।
- **सींग** – छोटे और मोटे ।
- **गर्दन** – छोटी और मोटी।
- **पूंछ** – लम्बी एवं पतली, अंत में बालों का गुच्छा लगभग जमीन तक पहॅुचता है।
- **कूबड** – भारी और अक्सर एक तरफ गिर जाता है।
- **थन** – बड़े, मजबूत लचीला और मांसल नहीं। कभी कभी लटकते हुये।
- **गलकम्बल** – बड़े भारी। और अगली टॉगों के बीच फैला हुआ।
- **परिपक्वता पर वजन** – सांड 454–590 किलो, ग्राम गाय 272–408 किलो ग्राम ।
- **दूध उत्पादन क्षमता** – दुग्ध प्रति ब्यात 2270 किलोग्राम दूध में वसा 4.0–6.0 प्रतिषत।
- परिग्रहण संख्या – INDIA_CATTLE_1617_SAHIWAL_03026

Tharparkar

थारपारकर Tharparkar

- अविभाजित भारत के थारपारकर जिले (पाकिस्तान) में उत्पन्न हुआ और राजस्थान में भी पाया गया।
- अन्यथा सफेद सिंधी, ग्रे सिंधी और थारी के रूप में जाना जाता है।
- वे मध्यम आकार के, कॉम्पैक्ट होते हैं और लियर के आकार के सींग होते हैं।
- शरीर का रंग सफेद या हल्का भूरा है।
- बैल जुताई और ढलाई के लिए काफी उपयुक्त होते हैं और गायों को प्रति स्तनपान 1800 से 2600 किलोग्राम दूध मिलता है।
- पहली बछड़े की उम्र 38 से 42 महीने तक और अंतर कैल्विंग की अवधि 430 से 460 दिनों तक होती है।

Hariana

हरियाणा Hariana

- यह हरियाणा के रोहतक, हिसार, जींद और गुड़गांव जिलों से उत्पन्न हुआ था और पंजाब, यूपी और एमपी के कुछ हिस्सों में भी लोकप्रिय था।
- सींग छोटे होते हैं।
- बैल शक्तिशाली काम करने वाले जानवर हैं।
- हरियाण गायों के दूध दुग्ध में 600 से 800 किलोग्राम दूध देने वाले हैं।
- पहली बछड़े की उम्र 40 से 60 महीने है और बछड़े का अंतराल 480 से 630 दिन है

Kankrej

काँकरेज Kankrej

- इसे अन्यथा वाडड या वेज्ड, वाढियार कहा जाता है।
- गुजरात के कच्छ के दक्षिणपूर्व रण और राजस्थान (बाड़मेर और जोधपुर जिले) से शुरू हुआ।
- सींग लिर के आकार के होते हैं।
- जानवर का रंग सिल्वर-ग्रे से लेकर आयरन-ग्रे या स्टील ब्लैक तक भिन्न होता है।
- काँकरेज की चाल को अजीबोगरीब कहा जाता है जिसे 1 saw पेस (सलाई चील) कहा जाता है।
- कंकरेज को तेज, शक्तिशाली, मसौदा मवेशियों के लिए महत्व दिया जाता है। जुताई और कार्टिंग में उपयोगी।
- गाय अच्छी दूध देने वाली होती हैं, जो लगभग 1400 किलोग्राम प्रति स्तनपान उपज देती हैं।

Gir

भारतीय सर्वोत्तम दुधारू गौ नस्ल गिर

- **समानार्थी** – डेक्कन, काठियावाड़ी, या सुरती
- **उत्पत्ति** – दक्षिण काथयार और जूनागढ़ के गिर जंगल। इसको ताकतवर और उत्तम रोग प्रतिरोधक क्षमता के लिए जाना जाता है। बैल बड़े पैमाने पर मसौदा जानवर के रूप में उपयोग किये जाते है।
- **विशेषताएं विशिष्ट लक्षण** –
- **शरीर का रंग** – गहरा लाल या चॉकलेट के साथ सफेद– कथई धब्बे, कभी–कभी पूरे लाल या सफेद या कभी–कभी काला या विशुद्ध लाल।
- **माथा**–सिर गोल और गुंबददार और व्यापक आंखों पर लटका हुआ है ताकि वे आंशिक रूप से बंद हो जाएं।
- **कान** – लंबे और लटकाने वाले घुमावदार पत्ती की तरह। कान के किनारे के पास विशेष निशान/छेद।
- **कूबड** – बड़ा।
- **पूॅछ** – लम्बा कोड़ा जैसी
- **सींग** – सर्पिल पीछे की ओर फिर आगे की बढते हुये लिए अर्ध चॉंद की तरह दिखाई देता है।
- **गलकम्बल** – मध्यम विकसित। म्यान बडी और लटकाने वाली।
- **औसत वजन** – नर की 544 किलोग्राम, गाय 386 किलोग्राम
- **दूध उत्पादन क्षमता** – 1225–2268 किलो प्रति ब्यात। वसा 4.5–4.6 प्रतिषत।
- परिग्रहण संख्या – INDIA_CATTLE_0400_GIR_03007